

न्यायालय— न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, गोहद जिलाभिण्ड

मध्यप्रदेश

पीठासीन अधिकारी— केशव सिंह

आपराधिक प्रकरण क्रमांक 818 / 2009

संस्थापित दिनांक 05.11.2009

मध्यप्रदेश राज्य द्वारा आरक्षी केन्द्र—
मौ, जिला भिण्ड म0प्र0.

..... अभियोजन

बनाम

1. बंटा उर्फ बन्दू पुत्र कंचन सिंह यादव
उम्र—25साल व्यवसाय खेती
2. सौरव सिंह पुत्र सुरेश सिंह यादव
उम्र—19साल लगभग व्यवसाय खेती
समस्त निवासीगण लुहारपुरा मौ जिला
भिण्ड म.प्र.

..... अभियुक्तगण

::— निर्णय —::

(आज दिनांक 30 / 10 / 14 को घोषित किया)

1. आरोपीगण के विरुद्ध भारतीय दंड विधान की धारा 294, 327, 336 तथा 506 बी-2 के अपराध के आरोप हैं कि दिनांक 19/06/09 के 22.00 बजे बेहट रोड मौ पर सार्वजनिक स्थान पर फरियादी दीपक सिंह को माँ बहन के अश्लील शब्द उच्चारित कर उसे व उपस्थित जनसमूह को क्षोभ कारित किया व फरियादी के पेट्रोल पम्प से 680/-रूपये मूल्य का डीजल लेकर उस डीजल का मूल्य फरियादी को न देकर फरियादी को स्वेच्छा उपहति कारित की व माउजर कटटे से हवाई फायर कर मानवजीवन संकटापन्न कारित किया व जान से मारने की धमकी देकर मृत्यु का भय उत्पन्न कर आपराधिक अभित्रास कारित किया ।

2. प्रकरण में स्वीकृत तथ्य यह हैं कि विचारण के दौरान फरियादी व आरोपीगण का आपस में राजीनामा किया जा चुका है ।

3. अभियोजन का मामला संक्षेप में यह है कि दिनांक 19/06/09 के 08:15 बजे फरियादी दीपक सिंह पुत्र कालीचरण जाटव

गौरव पेट्रोल पम्प मालिक श्री राजे निवासी बामौर के साथ पुलिस थाना मौ में उपस्थित होकर इस आशय की जुवानी रिपोर्ट की कि कल दिनांक 19/6/09 की रात करीब 10:00 बजे की बात है वह अपने पेट्रोल पंप बंद कर रहे थे तभी बंटा यादव निवासी लोहारपुरा मौ अपने हाथ में 20 लीटर की केन लिये तथा उसके साथ सौरभ यादव निवासी मौ एवं दो अन्य अज्ञात साथी लडको के आये और बोलो कि टैंक्टर ऐयर ले गया है हमें करीब 20 लीटर डीजल दे दो उसने कहा कि पंप बंद है तो वह बोला कि टैंक्टर पर मरीज बैठा है उसे इलाज के लिये ग्वालियर ले जा रहे हैं फिर उसने जनरेटर चालू करके उसकी केन में 20 लीटर डीजल भर दिया फिर उसने उससे डीजल के 680/- रुपये मांगे तो वह उससे बोले कि साले कमीन नही मालूम बंटी यादव कहते हैं हम फ्री डीजल लेते हैं तो उसने उसकी केन पकड़कर रखने की कौशिश की तो बंटा एवं उसके साथी सौरभ यादव ने अपने अन्य दो साथियों के साथ लात-घूसों से उसकी मारपीट करने लगे वह चिल्लाया तो वह लोग डीजल भरी केन छोड़कर एवं माउजर के कटटे से फायर कर बेहट तर को भाग गये एवं भागते समय जान से मारने की धौंस दे गये कि अगर उसके खिलाफ थाने पर रिपोर्ट की तो देखेंगे । घटना को मौके पर मौजूद चौकीदार, जनक सिंह यादव एवं उदय जाटव ने देखी है। घटना की जानकारी मोबाईल से पंप मालिक को बताई है।

4. फरियादी की रिपोर्ट पर से पुलिस थाना मौ द्वारा अप0क0 126/09 पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया । विवेचना के दौरान आरोपीगण को गिरफ्तार किया गया एवं जप्ती पंचनामा बनाया गया एवं संपूर्ण विवेचना पूर्ण कर अभियोगपत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

5. आरोपीगण के विरुद्ध भारतीय दंड विधान की धारा 294, 327, 336 तथा 506 बी-2 के आरोपो की विरचना की गई आरोपीगण ने उक्त आरोपो को अस्वीकार कर विचारण न्यायालय से चाहा ।

6. प्रकरण में फरियादी, पक्ष द्वारा आरोपीगण से राजीनामा कर लेने के कारण आरोपीगण को भा0द0वि0 की धारा 294, 506 बी में दोषमुक्त किया गया जाकर आरोपीगण को भा.द.वि.की धारा 327, 336 के अंतर्गत विचारण किया जा रहा है।

7. प्रकरण में निम्नलिखित अवधारणीय प्रश्न यह हैं कि

:-

1. क्या आरोपीगण ने सामान्य आशय के अग्रशरण में फरियादी के पेट्रोल पम्प से 680/- रुपये का डीजल लेकर उस डीजल का मूल्य फरियादी को न देकर फरियादी को स्वेच्छा उपहति कारित की ?

2. क्या आरोपीगण ने माउजर कटटे से हवाई फायर कर मानव जीवन संकटापन्न कारित किया ?

सकारण निष्कर्ष

8. प्रकरण में अभियोजन की ओर से दीपक आ0सा01, जनक सिंह आ0सा02 को न्यायालय के समक्ष परीक्षित कराया गया है।

9. प्रकरण में साक्ष्य की पुनरावृत्ति से बचने हेतु दोनों विचारणीय बिन्दुओं की विवेचना एक साथ की जा रही है जिसके संबंध में दीपक आ0सा01 के द्वारा प्रकरण में प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कराई है। इस साक्षी का कहना है कि 04.05.2009 साल पहले कुछ लोग पेट्रोल पम्प पर आये जिन्होंने डीजल ले लिया और पैसे नहीं दिये उनके नाम नहीं मालूम डीजल कितना लिया नहीं बता सकता हूँ। उसी डीजल के पैसे की मांग पर से मारपीट नहीं हुई किसी भी पेट्रोल पम्प पर कटटे से फायर नहीं किया केवल गाली गलोज किया था जिसकी रिपोर्ट उसने थाने पर की थी जो प्र0पी01 की है जिसके एसेए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। पुलिस ने घटनास्थल का नक्शा मौका बनाया जो प्र0पी02 है जिसके एसेए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। साक्षी द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट व घटित अपराध का समर्थन न किये जाने के कारण साक्षी को अभियोजन द्वारा पक्षद्रोही घोषित कर साक्षी से सूचक प्रश्न पूछे जाने पर भी साक्षी ने इस तथ्य का समर्थन नहीं किया है कि आरोपीगण ने फी में डीजल भरवा कर कटटे से उपेक्षापूर्ण हवाई फायर किया था। साक्षी के कथनों से घटित अपराध व प्रथम सूचना रिपोर्ट का समर्थन नहीं होता है।

10. जनक सिंह आ0सा02 यह साक्षी घटना का चक्षुदर्शी साक्षी है इस साक्षी का कहना है कि दिनांक 19/06/09 को पेट्रोल पंप बंद कर बैठा था उसके पास दीपक बैठा था रात 10:00 बजे की बात है दो अज्ञात लोग आये और डीजल मांगने लगे जब डीजल नहीं दिया तो गालियाँ देकर चले गये। इस संबंध में दीपक ने पुलिस थाना पर रिपोर्ट की थी। साक्षी ने घटित घटना व प्रथम सूचना रिपोर्ट का समर्थन न किये जाने के कारण साक्षी को अभियोजन द्वारा पक्षद्रोही घोषित कर साक्षी से सूचक प्रश्न पूछे जाने पर भी साक्षी ने इस तथ्य का समर्थन नहीं किया है कि आरोपीगण ने डीजल लेकर उसके पैसे चुकाये बगैर लापरवाहीपूर्वक कटटे से हवाई फायर किया था। साक्षी के कथनों से प्रथम सूचना रिपोर्ट व घटित अपराध का समर्थन नहीं होता है।

11. प्रकरण में दीपक आ0सा01, के द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कराई है। जनक सिंह आ0सा02 घटना के चक्षुदर्शी साक्षी हैं दोनों ही घटना के अतिमहत्वपूर्ण साक्षी हैं जिनके द्वारा घटित अपराध का

समर्थन नहीं किया है। प्रकरण में फरियादी पक्ष व आरोपीगण के मध्य आपसी राजीनामा किया जा चुका है जिससे विदित होता है कि फरियादी व साक्षी द्वारा न्यायालीन अभिलेख पर आपसी राजीनामा से प्रभावित होकर कथन दिये हैं इसलिये घटित अपराध की साक्षियों के कथनों से पुष्टि नहीं होती है।

12. प्रकरण में घटित अपराध इस प्रकार का है जिसको प्रमाणित करने का भार प्रथम सूचना रिपोर्टकर्ता व चक्षुदर्शी साक्षियों पर है लेकिन प्रथम सूचना रिपोर्टकर्ता द्वारा ही घटित अपराध का समर्थन नहीं किया है ऐसी स्थिति में अन्य साक्षियों के कथनों से घटना की पुष्टि नहीं हो सकती है। न्यायालय में परीक्षित साक्षियों के कथनों से घटित घटना पूर्णतः अप्रमाणित पाई गई। प्रकरण में अन्य कोई साक्षी नहीं है।

13. प्रकरण में आरोपीगण के विरुद्ध भा.द.वि.की धारा 327,336 के अपराध पूर्णतः अप्रमाणित पाये गये। शेष अपराधों में आपसी राजीनामा हो चुका है। अतः आरोपीगण को भा.द.वि.की धारा 327,336 के आरोपित आरोप से दोषमुक्त किया जाता है आरोपीगण के जमानत मुलचके भारहीन होने से उन्मोचित किये जाते हैं।

14. प्रकरण में निराकरण हेतु मुददेमाल नहीं है।

15. प्रकरण में अभियाजन की ओर से माननीय अपीलीय न्यायालय में अपील या याचिका दायर की जाती है तो आरोपी माननीय न्यायालय के समक्ष उपरहे इस संबंध में धारा 437ए द0प्र0स0 के तहत 10-10 हजार रुपये की सक्षम जमानत व इतनी ही राशि का बंधपत्र प्रस्तुत करे।

निर्णय खुले न्यायालयमे हस्ताक्षरितव
दिनांकित कर घोषित किया गया

मेरे निर्देश पर टाईप किया

हस्ता/सही
जे0एम0एफ0सी0गोहद

हस्ता/सही
जे0एम0एफ0सी0गोहद

5 अपराधिक प्रकरण क्रमांक 818 / 2009